country. And, being in this profession, they are very vulnerable. Recently, in Andhra Pradesh, five nursing students were sexually assaulted in a nursing college. It is unfortunate to note that this college is run by an elected representative. So, the situation is very much serious, and some action has to be taken immediately. Similarly, there are reports, even from Delhi, that there is mental torturing on these nurses, apart from sexual assaults on them at their work places. And they are not getting even the minimum wages. In such a situation, the Government has a responsibility to ensure the safety of the nurses and nursing students. Therefore, I urge upon the Government to give proper instructions to all the State Governments to ensure safety of the nurses, who are working in different parts of the country, and also ensure the safety of those students who are studying in nursing colleges. Similarly, Sir, no labour law is applicable to nursing homes in Delhi where these nurses are working. They are not getting minimum wages and they are suffering. There are various kinds of attacks on them. In some cases, action was taken against those nurses who were speaking in their mother tongue, Malayalam. This is the situation. Therefore, urgent steps must be taken in order to ensure the application of labour laws in the nursing homes in Delhi. We must ensure their safety and security and strong steps must be taken in cases of sexual assault against nurses and nursing students.

SHRI P.R. RAJAN (Kerala): Sir, I associate myself with what the hon. Member has said.

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said.

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said.

PROF. P.J. KURIEN (Kerala): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Some other hon. Members also associate themselves with what the hon. Member has said.

Naxalite attacks in Chhattisgarh

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, इस देश की संसद के दोनों सदनों में कई बार देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर बहस हुई है। दुर्भाग्य से नक्सलवादी, माओवादी या पीपल्स वार ग्रुप जैसे तमाम ऐसे संगठन हैं, जो इस देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसक गतिविधियों में संलग्न हैं। कल ही छत्तीसगढ़ के Rajnandgaon district में कई घटनाएं हुईं, जिससे एक IPS Officer सहित, एक जिले के SP सहित, 36 अन्य अधिकारियों और जवानों की हत्या हुई। आज भी असम में एक IED blast में एक कर्नल और उनके ड्राइवर की हत्या हो गई और यह देश के विभिन्न हिस्सों में निरंतर हो रहा है। अभी कुछ दिन पहले पश्चिमी बंगाल में लालगढ़ में पुलिस को माओवादी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए CRPF और पैरा मिलिट्री फोर्सिस को लेकर जाना पड़ा। यह दुर्भाग्य की स्थिति है

कि तमाम कोशिशों के बावजूद ये घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में निरंतर बढ़ रही है। ये विघटनकारी शक्तियां देश को खतरनाक स्थिति की ओर ले जा रही हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि केन्द्र और राज्यों के बीच में सारी सूचनाओं का और खास तौर से जो इंटेलिजेंस की सूचनाएं है, उनका सामरिक आदान-प्रदान होना चाहिए। राज्यों की फोर्सिस को मॉडर्नाइज़ करने के लिए बड़े पैमाने पर केन्द्र सरकार को मदद करनी चाहिए और जहां भी आवश्यकता हो, राज्य सरकार जितनी मदद मांगे, वह मदद दी जानी चाहिए और इसमें CRPF, BSF या अन्य फोर्सिस के लोग भी बड़े पैमाने पर मारे जा रहे हैं, इसके लिए कहीं न कहीं intelligence की failure जिम्मेदार है। केन्द्र और राज्य, दोनों के बीच में समन्वय हो, राज्यों को केन्द्र से मदद मिले, इस तरह की स्थिति बननी चाहिए, ताकि देश की एकता और अखंडता को खतरा होने की नौबत न आ जाए। झारखंड में यह कई बार हुआ है, छत्तीसगढ़ में हो रहा है, छत्तीसगढ़ के बगल में महाराष्ट्र में हुआ था ...**(व्यवधान)**...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : SP मारे गए हैं।

प्रो. राम गोपाल यादव : जी, कल मारे गए Rajnandgaon district में और उसी के आधार पर मैंने कहा है। तो इस महत्वपूर्ण प्रश्न को मैं उठाना चाहता हूं और केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि विभिन्न राज्य सरकारों को इसमें जितनी हो सके, राष्ट्रहित में उनको मदद की कोशिश करें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Gopal Vyas ...*(Interruptions)*...

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : उपसभापति महोदय, ...**(व्यवधान)**...

MS. MABEL REBELLO (Jharkhand): Sir, I associate myself with what the hon. Member has said. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Gopal Vyas. ...*(Interruptions)*... Shrimati Mohsina Kidwai. ...*(Interruptions)*... आप associate कर दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

MS. MABEL REBELLO: Sir, it happened in Chief Minister's constituency. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, I associate myself with what the hon. Member has said.

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इनके मेंशन के साथ अपने आपको associate करता हूं।

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, प्रो. राम गोपाल यादव जी ने जो मेंशन उठाया है, उसके साथ मैं associate करता हूं।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं भी प्रो. राम गोपाल यादव को associate करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Some other hon. Members also associate themselves with what the hon. Member has said.

श्री श्रीगोपाल व्यास : महोदय, मेरा समय जा रहा है। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती मोहसिना किदवई (छत्तीसगढ़) : लगभग 100 पुलिस वालों की छत्तीसगढ़ में मौत हो चुकी है। मेरा सुझाव होम मिनिस्ट्री को यह है कि आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड आदि जितनी स्टेट्स हैं, इन सबका एक combined operation होना चाहिए नक्सलवाद के खिलाफ, क्योंकि यह बहुत बड़ी लानत हो रही है।

محترمہ محسنہ قدوائی (چھتیس گڑھ) : لگ بھگ 100 پولیس والوں کی چھتیس گڑھ میں موت ہو چکی ہے۔ میرا سجھاؤ ہوم منسٹری کو یہ ہے کہ آندھرا پردیش، اڑیسہ، مہاراشٹر، چھتیس گڑھ، جھارکھنڈ وغیرہ جتنے اسٹیٹس ہیں، ان سب کا ایک کمبائنڈ آپریشن ہونا چاہئے نکسلواد کے خلاف، کیوں کہ یہ بہت بڑی لعنت ہو رہی ہے۔

श्री उपसभापति : श्रीमती मोहसिना किदवई, सुश्री मैबल रिबैलो associated. श्री प्रकाश जावडेकर।

श्री श्रीगोपाल व्यास : सर, मेरा नाम बोला गया था ...(व्यवधान)...

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : सर, श्री श्रीगोपाल व्यास जी का क्या हुआ?

श्री उपसभापति : इन्होंने associate किया है।

Lack of security coordination in the aviation sector

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, मेरा समय अभी शुरू हो रहा है, यह जरा बता दें।

उपसभापति महोदय, देश की सुरक्षा की जो बात हमारे एक साथी ने उठाई, उसी का एक दूसरा पहलू मैं आपके सामने सदन के माध्यम से उठा रहा हूं कि देश की सुरक्षा के बारे में जब आतंकवादी हमले होते हैं तो मंत्री ऐसा बताते हैं कि हम सुरक्षा के बारे में पूरी तरह से चौकस हैं, लेकिन वास्तविकता क्या है, इससे अभी परिचय हुआ है। अभी एक रिपोर्ट आई है। कुछ पैसेंजर्स द्वारा Indigo flight में जो hijack का alert दिया गया था, उसके बाद सिक्योरिटी फोर्सेज ने कैसे react किया, इसकी जो रिपोर्ट आई है, वह चौंकाने वाली है। पौने पांच बजे 3 पैसेंजर्स ने झगड़ा किया और कहा कि हम hijack करेंगे। 5 बजे पॉयलट ने hijack alarm की बात की और नीचे ग्राउंड पर बता दिया। साढ़े पांच बजे emergency landing हुई, लेकिन NSG, local police, Airport Authority की security agencies में तालमेल का अभाव होने के कारण वे आपस में झगड़ने लगे, यहां तक कि उनमें कोई coordination नहीं था। NSG commandos को तैयार होने में 30 मिनट लगे, जो एयरपोर्ट पर खड़े थे। इतना ही नहीं वहां एयरप्लेन के आस-पास लाइट लगाएं या नहीं, इस पर भी एक राय नहीं हुई। उसी बीच कंट्रोल टावर की hotline भी फेल हो गई और officials unsecured mobile से बात कर रहे थे और उनमें तालमेल का अभाव था। यह दर्शाता है कि सिक्योरिटी के बारे में हम कितने बेफिक्र हैं और क्या चित्र है। यह सब 26/11 के बाद हुआ है। मंत्री जी कहते तो बहुत कुछ हैं लेकिन लगता है कि उनका administration पर और security apparatus पर कोई control नहीं है। मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या हम सिक्योरिटी पर भी राजनीति करते रहेंगे? मुंबई में 26/11 के बारे में राम प्रधान कमेटी नियुक्त हुई थी, उनकी रिपोर्ट आई है कि इसमें क्या-क्या lapses थे, लेकिन राजनीति के कारण वह घोषित ही नहीं हो रही है, उसे लोगों के सामने लाया ही नहीं जा रहा है। अगर इस तरह से हम लापरवाही बरतेंगे, तो मुझे

* Not recorded